SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

शिक्षकों में व्यावसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन

अर्चना वर्मा, पी.एच–डी., शोध निर्देशिका, **ममता अग्रवाल,** शोधार्थी, शिक्षा विभाग
शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Authors
अर्चना वर्मा, पी.एच–डी.
ममता अग्रवाल, शोधार्थी
E-mail : archana16669@gmail.com

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 28/02/2025
Revised on : 29/04/2025
Accepted on : 08/05/2025
Overall Similarity : 05% on 30/04/2025

शोध सार

शिक्षा मानव विकास का मूल साधन है। शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य को सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जा सकता है। मानव की जन्मजात शक्तियों का विकास उसके ज्ञान और कला कौशल में वृद्धि तथा व्यवहार में परिवर्तन शिक्षा द्वारा ही संभव है। शिक्षा दो ध्रुवीय प्रक्रिया है जिसमें एक व्यक्तित्व दूसरे व्यक्तित्व में परिवर्तन लाने तथा उसका विकास करने में के लिए प्रयत्न करता है। शिक्षक के व्यक्तित्व का शिक्षार्थी पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। स्वतंत्रता के इतने वर्षों के बाद भी हमारी शिक्षा पद्धति में विदेशी प्रभाव विद्यमान है। शिक्षक का जो आदर और सम्मान प्राचीन समय में था। वह आज कुछ कम दिखाई देता है जिसके कारण यह शिक्षक अपने व्यवसाय से संतुष्ट नहीं है और इसका प्रभाव उसकी व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर पड़ सकता है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखकर प्रस्तुत शोध पत्र में "शिक्षकों में व्यावसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन शोध समस्या का चयन किया गया है। शोधकर्ता ने अपने शोध के लिए रायपुर जिले के 200 शिक्षकों का अध्ययन किया जिसमें उसने शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता को मापने हेतु डॉ. पूर्वा जैन और निशा व्यास के शिक्षक व्यावसायिक उपकरण मापनी का प्रयोग किया। शोधकर्ता द्वारा अध्ययन करने पर पाया गया कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

मुख्य शब्द

व्यावसायिक प्रतिबद्धता, शिक्षक, शिक्षा, विकास.

भूमिका

शिक्षक का समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। शिक्षक एक ऐसा शिल्पी है जो समय और समाज की आवश्यकता अनुसार नई पीढ़ी को गढ़कर तैयार करता

है। वह नई पीढ़ी को हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति के बीच समन्वय स्थापित करने का मार्गदर्शन देकर उसके संतुलित विकास में सहायक बनता है जिससे यह प्रगति के नए आयाम की और विश्वास के साथ अग्रसर होते हैं और राष्ट्र उन्नत और सशक्त बनने में सहायता करते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि शिक्षा की व्यवस्था में शिक्षक का स्थान सर्वोपरि होता है, जैसा शिक्षक होगा, वैसी ही शिक्षा होगी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद न केवल शिक्षा की प्रगति हुई वरन् शिक्षकों के आर्थिक स्तर को ऊपर उठाने का प्रयत्न भी किया गया तथा उनके उचित प्रशिक्षण के लिए विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाएं की गई, किंतु इतना सब होने पर भी सर्वाधिक आलोचना का कोई विषय है तो वह है शिक्षक और शिक्षा। इसका प्रमुख कारण है, अच्छे शिक्षकों का अभाव। शिक्षकों में व्यावसायिक प्रतिबद्धता से तात्पर्य है शिक्षकों का अपने व्यवसाय के प्रति ईमानदार और उत्तरदायी होना। शिक्षकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जैसे कि विषय वस्तु में बदलाव, नई शिक्षण पद्धतियां, तकनीकी प्रगति कानून और प्रक्रिया में बदलाव, छात्रों के सीखने की आवश्यकता में बदलाव। इन सभी बदलावों के चलते शिक्षकों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत होने की आवश्यकता पड़ती है। शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए संगोष्ठी, कार्यशालाएं, सम्मेलन आदि समय–समय पर आयोजित किए जाते हैं जिससे उनके व्यावसायिक विकास किया जा सके और वह अपनी व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

ओझा जी वर्मा एम. (2018) ने महाविद्यालय में अध्यापनरत शिक्षकों की शिक्षक व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया। निष्कर्ष में पाया कि महाविद्यालय में अध्यापनरत शिक्षकों की शिक्षक व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में अंतर है। 0–05 सार्थकता स्तर पर वित्त पोषित एवं स्ववित्त पोषित महाविद्यालय में शिक्षकों की शिक्षक व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर है।

शर्मा आर चौधरी एम. (2020) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नवनियुक्त एवं अनुभवी शिक्षकों की शिक्षक व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया जिसमें अध्ययन के आधार पर यह पाया गया कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नवनियुक्त एवं अनुभवी शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकी दृष्टि से कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है, किंतु सभी आयामों तथा उनके संपूर्ण योग के मध्यमानो के आधार पर यह कहा जा सकता है कि नवनियुक्त शिक्षको में शिक्षक व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति, अनुभवी शिक्षकों की तुलना में अधिक पाई गई है।

कुमारी, पी. (2021) ने पुरुष एवं महिला शिक्षकों के भूमिका प्रतिबद्धता का पता लगाया और तुलनात्मक अध्ययन किया। निष्कर्ष से पता चला है कि पुरुष और महिला दोनों परामर्शदाताओं के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं परिणाम से यह भी पता चलता है कि पुरुष और महिला शिक्षक अपने रुचि के अनुसार छात्रों को पढ़ाते हैं। शिक्षकों के दोनों समूह छात्रों में देशभक्ति पूर्ण दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास करते हैं।

यादव, देवेंद्र (2021) ने माध्यमिक शिक्षा स्तर पर शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति एवं शिक्षक प्रभावशीलता के संबंध में अध्ययन किया। निष्कर्ष में पाया कि माध्यमिक स्तर के सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति एवं उनकी शिक्षक प्रभावशीलता की शैक्षिक, व्यावसायिक, सामाजिक, संवेगात्मक, नैतिक, व्यक्तित्व एवं संपूर्ण शिक्षक प्रभावशीलता के मध्य धनात्मक सह संबंध है तथा यह भी पाया गया कि माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिव्यक्ति एवं उनकी शिक्षण प्रभावशीलता शैक्षिक, व्यावसायिक, सामाजिक, संवेगात्मक, नैतिक, व्यक्तित्व एवं संपूर्ण शिक्षक प्रभावशीलता के मध्य धनात्मक सहसंबंध है।

सिंह, अनामिका (2022) ने शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि और जनतांत्रिक अभिवृत्ति के प्रभाव का अध्ययन किया। निष्कर्ष में पाया कि शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि और जनतांत्रिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन शिक्षकों और छात्रों पर इन कारकों के प्रभाव में मूल्यवान अंर्तदृष्टि प्रदान कर सकता है और शिक्षण पेशे में व्यावसायिक संतुष्टि और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण दोनों को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियां की पहचान करने में

मदद कर सकता है।

चंद्राकर, स. (2022) ने शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का उनके व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर पढ़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया। इस अध्ययन में यह पाया गया कि शिक्षकों के स्व प्रत्यक्षीकरण का उनके व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

दास, के. (2022) ने शिक्षकों के अपने कार्य के प्रति संतुष्टि का अध्ययन किया। उनके निष्कर्ष से यह पता चलता है कि कार्य संतुष्टि व्यक्ति की एक सुखद और धनात्मक अनुभूति है जो स्वतः व्यक्ति के अपने ही कार्य अथवा कार्य अनुभवों के मूल्यांकन से कम हो। यह भाव व्यक्ति के इस प्रत्यक्षीकरण मात्र से ही पैदा होता है कि उसके कार्य कहां तक जरूरी मूल्यों को संतुष्ट करने का अवसर देते हैं।

सिंह, ए. (2022) में शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यरत आरक्षित और गैर आरक्षित वर्ग के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि, व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन किया। प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर यह स्पष्ट किया कि आरक्षण शिक्षक प्रशिक्षकों की कार्य संतुष्टि, उनकी व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता एवं उनकी शिक्षक प्रभावशीलता को प्रभावित करता है।

अध्ययन का उद्देश्य

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पुरुष एवं महिला शिक्षकों में व्यावसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिसीमन

प्रस्तुत शोध के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिला के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 200 शिक्षकों को सम्मिलित किया गया है।

S.No.	Block	Male	Female	Total
1.	Dharsiwa	78	79	157
2.	Arang	20	15	35
3.	Tilda	2	6	8
	Total	100	100	200

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

प्रयुक्त उपकरण

शोध अध्ययन में व्यावसायिक प्रतिबद्धता के मापन के लिए डॉ. पूर्वा जैन और श्रीमती निशा व्यास द्वारा निर्मित शिक्षक व्यावसायिक प्रतिबद्धता मापनी का प्रयोग किया गया है जो एपीआरसी 2015 में निर्मित है तथा जिसमें कुल 33 आइटम है जो निम्न आयाम पर आधारित हैः

1. वेतन एवं सुविधाएं।
2. पर्यवेक्षण।
3. पदोन्नति।
4. कार्य अवसर।
5. मानवीय संबंध।

आंकड़ों का विश्लेषण

"उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

उपयुक्त परिकल्पना की पुष्टि हेतु शोधकर्ता द्वारा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पुरुष एवं महिलाओं शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का, मध्यमान, प्रमाणिक विचलन और क्रांतिक अनुपात की गणना की गई जिसका मान सारणी के अनुसार निम्न है:

समूह	M.	S.D.	C.R.	df	सार्थकता का स्तर	t value
पुरुष 100	148	10.15	0.69	198	0.05	1.97
महिला 100	147	10.26				

व्याख्या

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि उच्चतम माध्यमिक विद्यालय के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के प्राप्तांको के मध्यमान क्रमशः 148 वह 147 तथा मानक विचलन क्रमशः 10–15 तथा 10–26 प्राप्त हुआ। गणना द्वारा क्रांतिक अनुपात का मन 0.69 प्राप्त हुआ जो df 198 पर 0.05 सार्थकता स्तर के मान 1–97 से कम है। अतः उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। फलस्वरुप यह परिकल्पना 0–05 विश्वास स्तर पर स्वीकृत होती है।

परिणाम

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

शोध के शैक्षिक निहितार्थ

1. शिक्षकों में अधिक व्यावसायिक प्रतिबद्धता शिक्षण में नवीन विधियों को अपनाने में योगदान देगी।
2. शोध के द्वारा शिक्षकों की अपने व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर करने में सहायता मिलेगी।
3. इस अध्ययन से यह पता चलता है कि किन कारकों से शिक्षकों की प्रतिबद्धता प्रभावित होती है इससे शिक्षकों के पेशेवर विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।
4. इस अध्ययन से नीति निर्माता को शिक्षक प्रशिक्षण और उनके कार्य परिस्थितियों में सुधार करने की दिशा में मदद मिलेगी।
5. यह अध्ययन सरकार और शिक्षण संस्थानों को शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता बढ़ाने के लिए नीतियां बनाने में सहायता करेगा।
6. यह अध्ययन शिक्षकों की भर्ती, पदोन्नति और कार्य स्थल के वातावरण में सुधार लाने में मदद करेगा।

शोध के सामाजिक निहितार्थ

शिक्षा एक समाजीकरण क्रिया है। गुरु के महत्ता व उनके प्रति आदर भाव समाज का दायित्व है। समय–समय पर आदर्श, सम्मान, प्रशंसा उन्हें कार्य के प्रति संतुष्टि प्रदान करता है जिससे निसंदेह शिक्षा की गुणवत्ता में प्रभाव पड़ता है।

सुझाव

शिक्षकों में व्यावसायिक प्रतिबद्धता बढ़ाने हेतु कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये जा सकते है, जो उनके कार्य प्रदर्शन, छात्रों की प्रगति और शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता को बेहतर बना सकते हैं। कुछ मुख्य सुझाव इस प्रकार से हैं:

01. शिक्षको के लिये नियमित प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं का आयोजन करना।
02. नई शैक्षिक तकनीकों, पद्धतियों व विषयवस्तु का ज्ञान बढ़ाना।

03. विद्यालय में सकारात्मक व सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना।
04. सहयोगी शिक्षकों व प्रशासन से संवाद और आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करना।
05. प्रतिबद्ध शिक्षकों को पहचान करना व उन्हें सम्मानित करना।
06. पाठ्यक्रम निर्माण, नीति निर्धारण और विद्यालय की योजनाओं में शिक्षकों की सक्रिय भुमिका सुनिश्चित करना।
07. शिक्षकों पर अनावश्यक प्रशासनिक भार कम करना।
08. पदोन्नति, शोध, उच्च अध्ययन और नेतृत्व के अवसर प्रदान करना।

भावी अध्ययन हेतु प्रस्तावित विषय

1. उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन।
2. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में कार्यरत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन।
3. शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन
4. प्राथमिक शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का उनके विद्यार्थियों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

संदर्भ सूची

1. ओझा, जी.; वर्मा, एम. (2018) महाविद्यालय में अध्यापनरत शिक्षकों की शिक्षक व्यवसाय के प्रति अभिव्यक्ति का अध्ययन, *ijsrst, Rajkot Gujrat*, vol 4 (7), 800 – 805.
2. चंद्राकर, एस. (2022) शिक्षकों के स्व प्रत्यक्षीकरण का उनकी व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, ijcrtAhamdabad Gujrat, vol 10 (01), 761–765.
3. दास, के. (2022) शिक्षकों की अपने कार्य के प्रति संतुष्टि का अध्ययन, world wide journals, Ahamdabad, Gujrat, vol 11(02), 293–297.
4. कुमारी, पी. (2021) शिक्षकों में भूमिका प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन, *ijsrst*, राजकोट, गुजरात, Vol 8(5), 327–331. www.ijsrst.com, Accessed on 11/01/2025.
5. जैन, पी. (2015) विद्यालयी शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं व्यवसायिक मूल्य का अध्ययन, *ijcms*, BagalKot, vol 6 (01), पृ. 11.1–11.6।
6. सिकरवार आर., (2022) माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन, Shodh Samagam, Aditi Publication, Raipur, vol 5(02), 482–487.
7. शर्मा, आर.; चौधरी एम. (2020) उच्च माध्यमिक विद्यालयों में नवनियुक्त एवं अनुभवी शिक्षकों की शिक्षक व्यवसाय के प्रति अभिव्यक्ति का अध्ययन, *All Study journal*, vol 02 (03), 615–618.
8. सिंह, ए, (2022) शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि एवं जनतांत्रिक अभिव्यक्ति का तुलनात्मक अध्ययन, *quest Journals*, Mayur Vihar, New Delhi, vol 10 (01), 76–80.
9. सिंह, एन. (2022) शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यरत आरक्षित एवं गैर आरक्षित वर्ग के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि, व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन, https://shodhgangotri.inflibnet.ac.in:8443/jspui/bitstream/20.500.14146/10036/1/synopsis.pdf, Accessed on 10/01/2025.
10. सिंह, एस (2022) मेरठ जनपद के में राजकीय एवं अनु दैनिक महाविद्यालय के कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन, *jetir*, Ahamdabad, Gujrat, vol 8 (12), 560–563.
11. यादव, डी, (2021) माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों की शिक्षक व्यवसाय के प्रति अभिव्यक्ति एवं शिक्षक प्रभावशीलता में संबंध का अध्ययन, *GISRRJ*, Gujrat, vol 4 (06), 97 – 101.

****